एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढी, नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्तवपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्तवपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में हीं दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगें।

सत्रीय कार्य करने के लिए कुछ दिशा–निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखना आपके लिए लाभप्रद होगा।

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और इकाइयों को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिनपर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए कुछ बिन्दु बनाए और उनको तर्क के आधार पर पुनः व्यवस्थित करें।

2) **संगठनः** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा तैयार करें जिससे आप कुछ बिन्दुओं को चुन सकते हैं और उनको विश्लेषित कर सकते हैं। प्रश्न की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर उचित ध्यान दें:

   यह निश्चित करें किः

   क) उत्तर तर्क–आधारित और सुसंगत है।

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है।

   ग) आपकी अपनी अभिव्यक्ति और शैली के अनुसार प्रस्तुत सही है।

3) **प्रस्तुतिः** एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हैं तो जमा कराने के लिए उसका अंतिम रूपांतरण लिख सकते हैं। **यह आवश्यक है कि सभी** सत्रीय कार्य आपकी अपनी लिखाई में सफाई से लिखे हों। यदि आप चाहते हैं तो मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कर सकते हैं। यह निश्चित करें कि उत्तर निश्चित शब्द सीमा के अंतर्गत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारत एवं विश्व (एमपीएसई–001)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–001 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. क्या आप सोचते हैं कि 1962 के चीनी आक्रमण के बाद भारत का वैश्विक दृष्टिकोण अधिक यथार्थवादी और कम आदर्शवादी रहा है? अपना आंकलन दीजिए।
2. शीत–युद्ध काल के पश्चात् बदलते भूराजनीतिक गठजोड़ों के संदर्भ में भारतीय विदेशनीति में उभरते प्रतिमानों का वर्णन कीजिए।
3. उदीयमान भारत–अमरीकी संबंधों के संदर्भ में इस बात का विश्लेषण कीजिए कि यह साझेदारी भारत के भूरणनीतिक हितों को कितना महत्व देगी।
4. चर्चा कीजिए कि किस प्रकार दक्षिण एशिया में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत और उसके पड़ोसियों के संबंधों के लिए चिंता का विषय है।
5. भारत–आसियान संबंधों के संदर्भ में भारत की 'पूर्व की ओर देखो' नीति की संभावनाओं और चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) : भारत की चिंता
   ख) भारत के लिए मध्य एशिया का भूराजनीतिक महत्व

7. क) भारत–नेपाल संबंधों में मुख्य मुद्दे
   ख) भारतीय विदेश नीति में *वसुधैव कुटुम्बकम्*

8. क) परमाणु निःशस्त्रीकरण संधि (NPT) पर भारत का रूख
   ख) बिम्सटेक (BIMSTEC) का महत्व

9. क) भारत की परमाणु नीति के मुख्य पहलू
   ख) भारत और पश्चिम एशिया : तात्कालिक रूझान

10. क) ब्रिक्स (BRICS)
    ख) भारत और वैश्विक आतंकवाद

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–002 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. लैटिन अमरीका की राजनीतिक संरचना पर औपनिवेशिक सामाजिक आर्थिक संरचना के प्रभाव का परीक्षण कीजिए और संक्षेप में उन कारणों और परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिन्होंने इस महाद्वीप में आजादी आंदोलनों को दिशा दी।
2. निर्भरता क्या हैं? लैटिन अमरीका के संदर्भ में निर्भरता सिद्धान्त और अन्य विकासशील सिद्धान्तों की तुलना कीजिए।
3. एक क्रांतिकारी आंदोलन किस प्रकार अन्य सामाजिक आंदोलनों से अलग है? क्यूबा की क्रांति को आप किस हद तक एक 'सफल' क्रांति मानते हैं?
4. लोकलुभावनवाद क्या है? अर्जेन्टीना और ब्राजील की राजनीति में लोकलुभावन आंदोलनों और शासनों के प्रभाव की चर्चा कीजिए।
5. लैटिन अमरीका में क्षेत्रीयता के उदय की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। आपकी राय में कौन सा क्षेत्रीय समूह ज्यादा व्यवहारिक है और क्यों?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) *पम्पास* का आर्थिक और सामाजिक महत्व
   ख) चिली में खनिज सम्पदा और आर्थिक विकास

7. क) विकास की अर्न्तनिहित और बर्हिमुखी रणनीति
   ख) लैटिन अमेरिका में दासता और वृक्षारोपण अर्थव्यवस्था

8. क) लैटिन अमरीका के लोकतांत्रीकरण में नव सामाजिक आंदोलनों (NSM) की भूमिका
   ख) मरकोसुर (MERCOSUR)

9. क) भारत और लैटिन अमेरिका
   ख) ब्राजील में 'आर्थिक चक्र'

10. क) मेक्सिको में किसान और भूमिअधिकार आंदोलन
    ख) लैटिन अमरीकी राजनीति में कैथोलिक चर्च की भूमिका

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई–003)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–003 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. राजनीतिक चिंतन, राजनीतिक सिद्धांत और राजनीति दर्शन के मध्य विभेद कीजिए।

2. प्लेटो के राजनीतिक सिद्धान्त के दार्शनिक आधारों की चर्चा करें।

3. अरस्तु की विधि पर एक लेख लिखें।

4. राजनीतिक पश्चिमी चिंतन पर संत ऑगस्टीन का क्या प्रभाव रहा है? परीक्षण करें।

5. मैक्यावली के सरकारों के वर्गीकरण को विस्तार बतायें।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणी लिखिए।

6. क) संप्रभु के अधिकारों और दायित्वों पर थॉमस हॉब्बस
   ख) सामाजिक संविदा और नागरिक समाज पर जॉन लॉक

7. क) रूसो का सामान्य इच्छा शक्ति का सिद्धान्त
   ख) एडमण्ड बर्क की समालोचना

8. क) मानव प्रकृति का इमैनुअल कॉंट का पराभौतिक–आदर्शवादी दृष्टिकोण
   ख) धर्म पर एलैक्स द तॉकवी

9. क) प्रतिनिधि सरकार पर जे. एस. मिल
   ख) हेगेल का राज्स का सिद्धान्त

10. क) मार्क्स का ऐतिहासिक भौतिकवाद
    ख) मार्क्स की एक साम्यवादी समाज की संकल्पना

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई–004)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–004 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. प्राचीन भारत में राज्य और संप्रभुता की प्रकृति की चर्चा करें।
2. 19वीं शताब्दी में भारत के निर्माण पर एक निबंध लिखें।
3. आरंभिक 19वीं शताब्दी में भारत में राष्ट्रवाद के आगमन का परीक्षण करें।
4. दयानंद सरस्वती के धार्मिक–राजनीतिक विचारों को विस्तार से बतायें।
5. राष्ट्रवादी आंदोलन मे लाल–बाल–पाल के महत्व का वर्णन करें।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

6. क) राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानन्द
   ख) भारत में राजनैतिक नरमपंथियों की श्री अरोबिंदो की समालोचना

7. क) सामाजिक परिवर्तन पर वी. डी. सावरकर के विचार
   ख) एम एस गोलवरकर का नकारात्मक और सकारात्मक हिंदुत्व

8. क) हिंदु–मुस्लिम एकता पर सर सैयद अहमद खान
   ख) द्रविड़ लामबंदी पर ई. वी. रामास्वामी नायकर

9. क) गांधी के राजनैतिक परिप्रेक्ष्य के दार्शनिक आधार
   ख) जवाहरलाल नेहरू का वैज्ञानिक मानवतावाद

10. क) धर्म और जाति पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
    ख) रवींद्रनाथ टैगोर की राष्ट्रवाद की समालोचना

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई–005)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–005/2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. अफ्रीका में इस्लाम के प्रसार पर एक निबंध लिखिए।
2. अफ्रीका में दास व्यापार के विकास की जांच कीजिए।
3. अफ्रीका में राष्ट्रवाद के उदय की चर्चा कीजिए।
4. अफ्रीकी राज्यों की बदलती प्रकृति की जांच कीजिए।
5. अफ्रीका में विकास और संरचनात्मक समन्वय कार्यक्रम (SAP) पर एक लेख लिखिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अफ्रीका में सैन्य शासन
   ख) राजनीतिक दल

7. क) अर्न्तराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अफ्रीका की स्थिति
   ख) नैम (NAM) और भारत –अफ्रीका संबंध

8. क) शीत–युद्ध के पश्चात् शांति अभियान
   ख) अफ्रीका में संयुक्त राष्ट्र की नयी भूमिका

9. क) उप सहारा–अफ्रीका में मानव सुरक्षा
   ख) अफ्रीका में नृजातीयता और राष्ट्रवाद

10. क) अफ्रीका में प्रत्यक्ष हिंसा
    ख) नेपेड (NEPAD)

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई–006)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–006 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूनेस्को की प्रस्तावना में लिखा है कि 'क्योंकि पुरूष के मन में युद्ध शुरू होता है इसके कारण ही उसके मस्तिष्क में शांति की सुरक्षा पैदा होनी चाहिए।' इस कथन पर अपना आंकलन दीजिए।
2. चीन–भारत के मध्य विश्वास बहाली उपायों (CBMs) की मुख्य बातों की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। शांति बनाये रखने में विश्वास बहाली उपायों (CBMs) की प्रभावशीलता पर आपका क्या विचार है?
3. शांति को कैसे परिभाषित करेंगे। शांति अध्ययन के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए।
4. संघर्ष समाधान और निवारण मे क्षेत्रीय संगठनों की उपलब्धियों को उचित उदाहरण देकर समझाइये।
5. मानव सुरक्षा क्या है? आपके विचार में मानव सुरक्षा की मुख्य चुनौतियां क्या हैं?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) प्रत्यक्ष और संगठित हिंसा
   ख) बहु पक्षीय कूटनीति

7. क) 'केवल युद्ध' की नीति
   ख) विद्रोह और आतंकवाद में अंतर

8. क) शांति के प्रति गांधीवादी दृष्टिकोण
   ख) मध्यस्तथा और संघर्ष समाधान

9. क) निःशस्त्रीकरण और हथियार नियंत्रण
   ख) 'सीमित' युद्ध और 'सम्पूर्ण' युद्ध मे अंतर

10. क) युद्ध पर नारीवादी दृष्टिकोण
    ख) परमाणु निःशस्त्रीकरण पर रणनीतियां

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई–007)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–007 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सामाजिक आंदोलनों का अभिप्राय और उसके घटकों की चर्चा कीजिए।
2. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार से संरचनात्मक–प्रक्रर्यात्मक (Structural –functional) दृष्टिकोण सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन में सहायक है।
3. सामाजिक आंदोलनों पर वैश्वीकरण के प्रभावों की चर्चा कीजिए।
4. भारतीय राज्य पर विमर्श में क्या परिप्रेक्ष्य हैं?
5. भारत में लोकतंत्र और सामाजिक आंदोलनों के मध्य संबंधों की चर्चा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानव विकास सूचकांक
   ख) संसाधन संग्रहण सिद्धान्त

7. क) नव सामाजिक आंदोलन
   ख) क्षेत्रवाद

8. क) नृ–जातीय आंदोलनों के अध्ययन के दृष्टिकोण
   ख) किसान आंदोलनों की विशेषतायें

9. क) चिपको आंदोलन
   ख) बी एस पी (BSP) की सीमायें

10. क) केरल में मछुआरा जन आंदोलन
    ख) नगर–आधारित पर्यावरण आंदोलन

भारत में राज्यीय राजनीति (एमपीएसई–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–008/2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारत में 1960 से 1970 के दशकों के दौरान राज्यीय राजनीति के विकास की चर्चा कीजिए।
2. राजनीति अध्ययन के लिए व्यवस्थाई (Systemic) दृष्टिकोण की मूलभूत विशेषतायें क्या हैं?
3. कांग्रेस के प्रभुत्वशाली युग की चर्चा कीजिए।
4. मतदान व्यवहार के निर्धारण में जाति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
5. कृषि संबंधी बदलावों में हरित क्रांति के प्रभाव की जॉच कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) वैश्वीकरण और राज्यीय राजनीति
   ख) भाषायी अल्पसंख्यक और राजनीति

7. क) नव–मार्क्सवादी दृष्टिकोण
   ख) जल विवादों की राजनीति

8. क) दलितों की मुखरता (assertion)
   ख) उत्तर–आधुनिकतावादी दृष्टिकोण

9. क) छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (CMM)
   ख) सहकारी समितियां

10. क) क्षेत्रीय दल
    ख) स्वतंत्रता के रूप में विकास

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई–009)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–009 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. कनाडा की अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों के रूप में कृषि, उद्योग और व्यापार की चर्चा कीजिए।
2. कनाडा में न्यायिक प्रणाली पर एक निबंध लिखिए।
3. कनाडा में 1980 से 1990 के दशकों के दौरान कनाडाई लोक प्रशासन में पेश किये गये व्यापक सुधारों का विश्लेषण कीजिए।
4. कनाडा में वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
5. कनाडा में बहुसंस्कृतिवाद की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) शीत युद्ध के दौरान भारत–कनाडा संबंध
   ख) कनाडा में दवाब समूह

7. क) क्यूबेक अलगाववाद
   ख) कनाडा में जातीय और नस्लीय समूह

8. क) 1982 का संविधानिक अधिनियम
   ख) उदार अर्न्तराष्ट्रीयतावाद

9. क) कनाडा में संघवाद
   ख) कनाडा में लोक सेवा आयोग

10. क) कनाडाई दल प्रणाली की विशेषतायें
    ख) कनाडा का मानव अधिकार कार्यक्रम

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई–011)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–011 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. वे कौन से मुख्य कारण हैं जिन्होंने यूरोपीय एकीकरण आंदोलन को प्रोत्साहित किया और सुविधाजनक बनाया? यूरोपीय एकीकरण प्रक्रिया की व्याख्या करने वाले किन्ही दो सिद्धान्तों का मूल्यांकन भी कीजिए।
2. यूरोपीय संघ के विभिन्न संस्थान कौन से हैं? यूरोपीय संघ और उसके संस्थानों द्वारा निर्णय लेने की प्रक्रिया की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।
3. यूरोप और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीयता की प्रकृति का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। यूरोपीय संघ (EU) से सार्क (SAARC) क्या सीख सकता है?
4. एकल बाजार की मूल विशेषतायें क्या हैं और यूरोपीय संघ के आर्थिक एकीकरण में इसकी क्या भूमिका है?
5. यूरोपीय संघ में यूरोपीय परिषद और मन्त्री परिषद की मुख्य भूमिका और उसके सघटकों की चर्चा कीजिए।

भाग – 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी लिखें :

6. क) यूरोपीय न्यायालय
   ख) भारत–यूरोपीय संघ (EU) सबंध आयोग

7. क) यूरोपीय संघ (EU) और विश्व व्यापार संगठन (WTO)
   ख) यूरोपीय संघ (EU) और संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)

8. क) यूरोपीय संसद के कार्य
   ख) यूरो की अंर्तराष्ट्रीय भूमिका

9. क) यूरोपीय सामूहिक सुरक्षा और रक्षा नीति
   ख) यूरोपीय संघ (EU) का विस्तार

10. क) सामूहिक कृषि नीति (CAP) के उद्देश्य
    ख) यूरोपीय संघ में तुर्की की सदस्यता का मुद्दा

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई–012)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–012 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप की मुख्य आकारीय विशेषताओं को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
2. आदिवासी मूल लोगों के प्रति ऑस्ट्रेलियाई औपनिवेशिक नीति के सामाजिक प्रभाव की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
3. हिन्द महासागर के संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियां किस प्रकार से बदली हैं, वर्णन कीजिए।
4. संविधान में उल्लेखित ऑस्ट्रेलिया की सीनेट की भूमिका और शक्तियों का वर्णन कीजिए।
5. वैश्विक अर्थव्यवस्था में ऑस्ट्रेलिया के लिए वर्तमान चुनौतियों की जांच कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलियाई दल प्रणाली की बदलती गतिशीलता
   ख) ऑस्ट्रेलियाई राजनीति में दबाव समूहों की भूमिका

7. क) ऑस्ट्रेलिया में विकास रणनीतियां
   ख) ऑस्ट्रेलिया में घरेलू अर्थव्यवस्था और वैश्वीकरण

8. क) ऑस्ट्रेलिया के बारे में चीन की अवधारणा
   ख) ऑस्ट्रेलिया के लिए चीनी अर्थव्यवस्था की महत्ता

9. क) ऑस्ट्रेलिया मे उदारवादी दल
   ख) ऑस्ट्रेलिया दवाब समूह

10. क) ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी
    ख) श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई–013)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमपीएसई–013 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलियाई विदेश नीति में बदलती हुई प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।
2. ऑस्ट्रेलिया की बहुसांस्कृतिक नीति का वर्णन कीजिए। अप्रवासीकरण पर इसके क्या प्रभाव रहे?
3. शीत युद्ध वर्षों के दौरान चीन और ऑस्ट्रेलिया के राजनीतिक और राजनयिक संबंधो में हुए बदलावों का वर्णन कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया में संघवाद की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
5. वे कौन सी चुनौतियाँ हैं जिन्हें भूमण्डलीकरण के युग में इसके व्यापार और निवेश के संबंध में ऑस्ट्रेलिया सामना कर रहा है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलियाई संघ में शक्तियों का विभाजन
   ख) ऑस्ट्रेलिया में सीनेट एवं कार्यपालिका के मध्य संबंध

7. क) ऑस्ट्रेलिया के जैवविविधता के विशिष्ट लक्षण
   ख) ऑस्ट्रेलिया में पर्यावरणीय विधान

8. क) चीन की खुले द्वार की नीति का ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
   ख) विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सुदृढ़ीकरण संबंधी ऑस्ट्रेलिया के प्रयास

9. क) शीत युद्ध की समाप्ति के बाद भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंध
   ख) वैश्वीकरण के दौर में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की प्रकृति

10. क) ऑस्ट्रेलिया में मानव अधिकार का मुद्दा
    ख) आणुविक हथियारों की भूमिका में ऑस्ट्रेलिया का स्थान

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी–002)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी / एमईडी–002 / 2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सतत् विकास क्या है और कैसे यह महिलाओं की समानता संबंधित है?
2. सतत् विकास के अध्ययन की प्रत्यक्षवादी (Positivist) दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए।
3. सतत् विकास के सम्मुख मुख्य चुनौतियों की विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. सतत् विकास को हासिल करने के लिए सार्क द्वारा लिये गये कदमों की व्याख्या कीजिए।
5. सतत् विकास के लिए किस प्रकार पारंपरिक और स्वदेशी तकनीकी का उपयोग हो रहा है?

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) औद्योगीकरण
   ख) पृथ्वी सम्मेलन

7. क) वहनीय क्षमता (Carrying Capacity) की संकल्पना
   ख) लैगिंक असमानता

8. क) गरीबी उन्मूलन रणनीतियां (PRS)
   ख) जीवन शैली और उपभोक्तावाद

9. क) गैट (GATT) की कमजोरियां
   ख) बाढ़ और मृदा क्षरण

10. क) वनोन्मूलन (Deforestation)
    ख) बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी–008)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमईडी–008/2020-2021
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पर्यावरण पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।
2. वैश्विक ताप वृद्धि को परिभाषित कीजिए और इसके होने के कारणों पर चर्चा कीजिए।
3. पर्यावरण और विकास पर रियो घोषणापत्र की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
4. दक्षिण एशियाई राज्यों पर पर्यावरण कानूनों और मानकों के निहितार्थों की व्याख्या कीजिए।
5. वैश्वीकरण पर लोगों की प्रतिक्रिया की चर्चा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भूकंप
   ख) विषैले अपशिष्ट

7. क) पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग (WCED)
   ख) बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार सबंधी पहलू (TRIPS)

8. क) ब्रेटेन वुड्स संस्थान
   ख) वैश्वीकरण पर परिचर्चा

9. क) श्रीलंका में खनन परियोजना
   ख) खाद्य सुरक्षा

10. क) गरीबी उन्मूलन और भूख
    ख) उत्तर –दक्षिण अलगाव

गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.–004)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी / एमजीपी–004 / 2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. गाँधीवादी राजनीतिक विचार और इसके स्वतंत्रता आंदोलन पर प्रभाव का वर्णन कीजिए।
2. गाँधी के विचार में लोकतंत्र की अवधारण की व्याख्या कीजिए।
3. राष्ट्रवाद के गाँधी के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
4. हिन्द स्वराज में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ब्रिटिश राजनीतिक संस्थाओं का गाँधी का आकलन क्या था?
5. गाँधी एक भागीदारीपूरक, कार्यात्मक और समावेशी राज्य की एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। स्पष्ट कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों पर गाँधी के विचार
   (ख) संविधान का सिद्धांत

7. (क) गाँधी की शक्ति एवं अधिकार
   (ख) उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद पर गाँधी के विचार

8. (क) गाँधी के शांतिवाद का सिद्धांत
   (ख) 21वीं शताब्दी में सत्याग्रह का महत्त्व

9. (क) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार
   (ख) धर्मनिरपेक्षता एवं साम्यवाद पर गाँधी के विचार

10. (क) गाँधी की विश्व व्यवस्था की अवधारणा
    (ख) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार

गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड :एएसएसटी/एमजीपी–007/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियाँ एवं कमियो की व्याख्या कीजिए।
2. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका की चर्चा कीजिए।
3. गाँधी के पश्चात् अहिंसक आंदोलनों के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. आज के मानवजाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।
5. जय प्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति के महत्त्व को समझायें।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) मद्यनिषेध आंदोलन
   (ख) भारत में किसान आंदोलन

7. (क) पर्यावरण के नारीवादी आंदोलन
   (ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

8. (क) भारत में राष्ट्रीय जल नीति
   (ख) 21वीं शताब्दी में ग्रीन पीस आंदोलन (Green Peace Movement)

9 (क) साइलेंट वैली आंदोलन
  (ख) जल–संरक्षण आंदोलन

10 (क) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक समाज आंदोलन
   (ख) दक्षिण–अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–008/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. सामंजस्य समाज के अर्थ में सहिष्णुता की भूमिका का वर्णन कीजिए।

2. मध्यस्थता के लक्ष्यों का परीक्षण करें तथा गाँधी द्वारा इसके प्रयोगों का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

3. अपने शब्दों में निम्नलिखित पर एक संक्षिप्त लेख लिखें :
   (क) शांति के लिए नारीवादी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं
   (ख) संघर्ष के स्त्रोत

4. संघर्ष समाधान के पश्चिमी दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

5. 'शांति के राजदूत' के रूप में गाँधी की भूमिका की चर्चा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) स्वराजगार महिला संघ (SEWA)
   (ख) शांति सेना

7. (क) अनशन अर्थ का और महत्ता
   (ख) हड़ताल का अर्थ और महत्ता

8. (क) संघर्ष समाधान के लिए संवाद और वार्ता प्रक्रिया
   (ख) शांति प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी।

9 (क) निर्भयता और साहस की अवधारणा
  (ख) असम में विद्रोह

10 (क) श्रीलंका में तमिल नृजातीय समस्या
   (ख) राष्ट्र–निर्माण की समस्याएं

संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.–010)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–010/2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. संघर्ष के प्रकृति और संघर्ष को खत्म करने के लिए समकालीन तर्क–वितर्क का परीक्षण कीजिए।
2. आज के समाज में संघर्षों के स्त्रोतों का आलोचनात्क परीक्षण कीजिए।
3. निम्नलिखित की 250 शब्दों में व्याख्या कीजिए :
   (क) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबधन
   (ख) संघर्ष मूल्यांकन का अर्थ और महत्त्व
4. संघर्ष प्रबंधन क्या है? संघर्ष प्रबंधन के विभिन्न मॉडल क्या हैं?
5. संघर्ष से उभर रहे समाज में विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

भाग–2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघर्ष प्रबंधन के प्रणाली
   (ख) केंद्रशासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के मुख्य कारक

7. (क) संरचनात्मक हिंसा
   (ख) संघर्ष परिवर्तन के अहिंसक तरीके

8. (क) शांति निर्माण के दृष्टिकोण
   (ख) आधुनिक सभ्यता के गाँधीवादी विकल्प

9 (क) चम्पारण में गाँधी के नेतृत्व में सत्याग्रह अभियान
   (ख) अफगानिस्तान में शांति निर्माण

10 (क) गाँधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता की अवधारण
   (ख) श्रीलंका में पुनर्निर्माण और पुनर्वास के बाद गैर–सरकारी संस्थान की भूमिका

मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.–011)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/एमजीपीई–011/2020–21
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. मानव सुरक्षा के विकास और सिद्धांत तथा वंचित समाज के कल्याण में इसके महत्त्व का परीक्षण कीजिए।
2. मानव सुरक्षा और मानव विकास के परस्पर–निर्भरता की व्याख्या कीजिए।
3. 250 शब्दों में निम्नलिखित को समझाइये :
   (क) मानव सुरक्षा और शांति निर्माण के बीच संबंध
   (ख) मानव सुरक्षा के गाँधीवादी दृष्टिकोण
4. मानव–विकास और मानव सुरक्षा के सिद्धांतों के लिए महबूब–उल–हक के योगदान की व्याख्या कीजिए।
5. ग्रामीण असंठित मजदूर के विभिन्न विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। कुछ उपाय बतायें जिससे उनका सुधार हो सके।

भाग –2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) गैल्टंग के संरचनात्मक हिंसा की अवधारणा
   (ख) भारत में महिला सशक्तिकरण के उपाय
7. (क) नव विश्व व्यवस्था
   (ख) भारत में मानव सुरक्षा
8. (क) खाद्य सुरक्षा और वैश्विक चिंता
   (ख) मानव सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन

9 (क) अहिंसात्मक संघर्ष रूपान्तरण में जीन शार्प के रणनीतिक उपागम
   (ख) दक्षिण एशिया में राज्य हिंसा

10 (क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए गाँधीवादी विचार की प्रथा
   (ख) पारंपरिक सुरक्षा बनाम मानव सुरक्षा

नागरिक समाज, राजनैतिक शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.–013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी / एमजीपीई–013 / 2020–21
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. हेगेल की नागरिक समाज की अवधारणा का आलोचनात्मक अवलोकन करें।
2. नागरिक समाज संगठन की भूमिका और प्रासंगिकता को समझायें।
3. पंचायती राज संस्थानों के अध्ययन के लिए विभिन्न अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।
4. आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध, नव–उदारवादी बाजार अर्थव्यवस्था और राजनैतिक शासन के प्रभावों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।
5. भूमण्डलीकरण–विरोधी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. (क) वैश्वीकृत बाजार में नागरिक समाज
   (ख) नागरिक समाज और राष्ट्रीय शासन

7. (क) वैश्विक शांति आंदोलन
   (ख) परमाणु–विरोधी विरोध आंदोलन

8. (क) शांति प्रक्रिया में ग़ैर सरकारी संगठन का उदय
   (ख) मानवाधिकार एवं शांति की संस्कृति

9 (क) शांति निर्माण और सशक्तिकरण की गाँधीवादी अवधारणा
   (ख) विकेंद्रीकरण पर लोगों की पहल

10 (क) ग्राम्शी की नागरिक समाज की अवधारणा
   (ख) वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन